न्यायालय–संजीव कुमार, मुंसिफ, नरकटियागंज
स्वत्व वाद सं0–168/2023

ननकु मियां.....वादी

बनाम

हबिब मियां एवं अन्य.....प्रतिवादीगण

DATE	ORDER	REMARKS
08.12.2025	उभय पक्षों की ओर से पैरवी है। प्रतिवादी सं0–01 वो 03 की ओर से एक आवेदन दिनांक 15.04.2025 को उनके विद्वान अधिवक्ता द्वारा प्रचालित कर कहा गया कि प्रस्तुत वाद में प्रतिवादी सं0–01 एवं 03 दिनांक 07.06.2024 को उपस्थित हुए है एवं अपना ब्यान तहरीरी दाखिल करने हेतु समयावेदन दिये। ब्यान तहरीरी तैयार करने हेतु कागजातों का काफी खोजबीन करना पड़ा, जिससे ब्यान तहरीरी दाखिल करने में काफी विलंब हो गया, जिससे ससमय ब्यान तहरीरी ससमय दाखिल नहीं हो सका। प्रतिवादीगण द्वारा दिनांक 15.04.2025 को अपना ब्यान तहरीरी दाखिल कर रहे है, जो निर्धारित समय से करीब 07 माह विलम्ब हो गया है। प्रतिवादीगण द्वारा जान बुझकर ब्यान तहरीरी दाखिल करने में विलम्ब नहीं किया गया है, बल्कि कागजातों को खोजबीन करने में विलम्ब हो गया है। लेहाजा विलम्ब माफ करते हुए प्रतिवादीगण का ब्यान तहरीरी स्वीकार करना न्यायहित में आवश्यक है, अन्यथा प्रतिवादीगण को अपूर्णीय क्षति होगी। अतः श्रीमान् से निवेदन है कि विलम्ब माफ करते हुए प्रतिवादी सं0–01 वो 03 की ओर से दाखिल ब्यान तहरीरी को ग्रहण करने की कृपा की जाए। वादी की ओर से प्रतिवादी सं0–01 वो 03 के आवेदन का मौखिक विरोध किया गया तथा आवेदन खारिज योग्य बताया गया है। उभय पक्षों के विद्वान अधिवक्तागण को सुना गया। अभिलेख का अवलोकन किया। अभिलेख अवलोकन से विदित होता है कि प्रस्तुत वाद प्रतिउत्तर हेतु नियत है। प्रतिवादी सं0–01 वो 03 निवेदन करते है कि प्रस्तुत वाद में आवश्यक कागजात समय से न मिलने के कारण ब्यान तहरीरी दाखिल करने में विलम्ब हुआ है। लेहाजा प्रतिवादी	

न्यायालय–संजीव कुमार, मुंसिफ, नरकटियागंज
स्वत्व वाद सं0–168/2023

ननकु मियां.....वादी

बनाम

हबिब मियां एवं अन्य.....प्रतिवादीगण

लगातार 08.12.2025	सं0–01 वो 03 की ओर से दाखिल ब्यान तहरीरी को विलम्ब माफ करते हुए ग्रहण किया जाए। चूंकि प्रतिवादी सं0–01 वो 03 इस वाद में संघर्ष करना चाहते है। ऐसी स्थिति में प्रतिवादी सं0–01 वो 03 का आवेदन न्यायसंगत है और इससे वाद की प्रकृति पर कोई विपरीत असर पड़ता प्रतीत नहीं होता है। अतः न्यायहीत में प्रतिवादी सं0–01 वो 03 का आवेदन दिनांक 15.04.2025 को मो0–500 रूपया हर्जे पर स्वीकार किया जाता है। वाद दिनांक 06.02.2026 वास्ते अग्रिम कार्रवाई हेतु नियत। लेखापित मुंसिफ नरकटियागंज	